एक स्वांस का अंतर है मौत और जिंदगानी में लिरिक्स

एक स्वांस का अंतर है,
मौत और जिंदगानी में,
थम गई जो तेरी धड़कने,
खत्म सारी कहानी है।bd।

तर्ज – एक प्यार का नगमा।

एक स्वांस की चाबी से,
चलता ये खिलोना है,
बेबस हुआ ये जीवन,
आया जबसे कोरोना है,
चहूं और कयामत है,
ऐसी परेशानी है,
थम गई जो तेरी धड़कने,
खत्म सारी कहानी है।bd।

सृष्टि ने पग पग पर,
एहसास कराया है,
औकात हमारी क्या,
सबको समझाया है,
फिर भी न समझ पाए,
कैसी ये नादानी है,
थम गई जो तेरी धड़कने,
खत्म सारी कहानी है।bd।

संकट ये जो छाया है,
तब समझ में आया है,
ईश्वर से बड़ा न कोई,
जिसने जग में बनाया है,
आशाओं की किरणों से,
नई दुनिया बसानी है,
थम गई जो तेरी धड़कने,
खत्म सारी कहानी है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
एक स्वांस का अंतर है,

मौत और जिंदगानी में,
थम गई जो तेरी धड़कने,
खत्म सारी कहानी है।bd।

लेखक / प्रेषक – शिव नारायण वर्मा।
8818932923
गायक – विजय सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com